

मत्स्य पोषण, जैव रसायन और कायिकी (एफएनबीपी) विभाग, भा कृ अनु प-के मा शि सं, मुंबई ने “पोषक रूप से संतुलित आहार का उत्पादन और जलीय कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए इसका उपयोग”

विषय पर मन की बात- मत्स्य किसान के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया। “मन की बात मत्स्य किसान के साथ” कार्यक्रम के तहत, मत्स्य पोषण, जैव रसायन और कायिकी (एफएनबीपी) विभाग, आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई ने 28 नवंबर 2024 को “पोषक रूप से संतुलित आहार का उत्पादन और जलीय कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए इसका उपयोग: नीली क्रांति के लिए फ्रीड-आधारित जलीय कृषि” विषयों पर वैज्ञानिक-किसान बातचीत बैठक का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के संयुक्त निदेशक एवं निदेशक (आई/सी) डॉ. एन.पी. साहू ने किया। उन्होंने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया और जल-फ्रीड से संबंधित किसानों के सामने आने वाली कई समस्याओं को हल करने के लिए अपना तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ. केदार नाथ मोहंता, प्रमुख, एफएनबीपी प्रभाग और समन्वयक ने संसाधन व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और बताया कि कैसे सीआईएफई स्थानीय रूप से उपलब्ध फ्रीड संसाधनों का उपयोग करके क्षेत्र आधारित मछली फ्रीड निर्माण को लोकप्रिय बनाने में मदद करेगा। उन्होंने देश में जल-फ्रीड क्षेत्र की दबावपूर्ण आवश्यकताओं पर भी प्रकाश डाला। डॉ. आशुतोष, डी. देव, प्रधान वैज्ञानिक और डॉ. सिकंदर कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कार्यक्रम को सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया और पूरे कार्यक्रम को बहुत सफलतापूर्वक समन्वित किया। इस बातचीत में भाग लेने वाले अन्य संसाधन व्यक्ति डॉ. सुबोध गुप्ता, डॉ. बबीता रानी, डॉ. प्रेम कुमार, डॉ. टिंसी वर्गिस, डॉ. जीना के और डॉ. मनीष जयंत थे। इस कार्यक्रम में देश भर से कुल 155 किसान/उद्यमी/हितधारक शामिल हुए। प्रतिभागियों ने कुल 40 प्रश्न पूछे और संसाधन व्यक्तियों ने इन समस्याओं का समाधान दिया। प्रतिभागी इस लाइव इंटरैक्शन मीट से अत्यधिक संतुष्ट थे और उन्होंने अपनी उत्कृष्ट प्रतिक्रियाएँ दीं। कई किसानों ने आईसीएआर-सीआईएफई से निकट भविष्य में भी इस तरह के आयोजन की माँग की क्योंकि मत्स्यपालन की लाभप्रदता और स्थिरता में मछली के चारे की प्रमुख भूमिका होती है।

